RNI No. - JHAHIN/2015/74242 email:newsscalejh@gmail.com

संपूर्ण हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज स्केल

रांची से प्रकाशित

सहयोग राशि 3/-

रांची, सोमवार 23 जनवरी से 05 फरवरी 2023, वर्ष 8, अंक 17, पृष्ठ 16

पेज 15 : 'वंचितों को वरीयता' का मंत्र....

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन बूढ़ा पहाड़ जाने वाले बने पहले मुख्यमंत्री, 100 करोड़ रुपए के बूढ़ा पहाड़ डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का किया शुभारंभ

बूढ़ा पहाड़ में अब गोलियों की तड़तड़ाहट नहीं, विकास की गूंज सुनाई देगी : मुख्यमंत्री

गढ़वा/बूढ़ा पहाड़। नई उम्मीदों और आशाओं से भरा आज का दिन। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के अथक प्रयासों का नतीजा है कि अति उग्रवाद प्रभावित यह दूरस्थ तथा दुर्गम क्षेत्र अब मुख्यधारा से जुड़कर विकास की नई इबारत लिखने को तैयार है। मुख्यमंत्री ने नक्सलियों के गढ़ में पहुंचकर बूढ़ा पहाड़ डेवलपमेन्ट प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया। इस प्रोजेक्ट के तहत एक सौ करोड़ रुपए से इस क्षेत्र में सभी मूलभूत जरूरी अनिवार्य और बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़वा जिले के टेहरी पंचायत के बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र में अब गोलियों की तड़तड़ाहट नहीं विकास की गूंज सुनाई देगी ।

मुख्यमंत्री ने बूढ़ा पहाड़ में स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कभी यह इलाका माओवादियों के खौफ का गवाह था। पूरे इलाके को माओवादियों ने अपने कब्जे में कर रखा था । लेकिन, हमारे सुरक्षाबलों ने माओवादियों को कड़ी चुनौती देते हुए पूरे क्षेत्र को नक्सल मुक्त करा लिया है। आज हम सभी यहां एकत्रित हुए हैं और विकास की एक नई शुरूआत करने जा रहे हैं। शायद पहली बार यहां ऐसा खुशनुमा माहौल देखने को मिल रहा है । आने वाले दिनों में यह इलाका भी विकास के मामले में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस भी वजह से नौजवानों ने भटकाव की राह पकड़ी हो। उनसे मेरा कहना है कि वे मुख्यधारा में वापस आएं। उन्होंने कहा कि मुख्यधारा से भटकना किसी समस्या का समाधान नहीं है मुख्यधारा में रहकर ही आप बेहतर और सुरक्षित जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंदूक के बल पर आप कुछ देर के लिए डर और खौफ का माहौल तो पैदा कर सकते हैं, लेकिन यह ना तो आप के हित में है और ना ही समाज के। आप बंदूक का साथ छोड़ें और सरकार के साथ जुड़े। सरकार आज आपके द्वार आ कर आपको योजनाओं से आच्छादित करने का काम कर रही है। इन योजनाओं से जुड़कर मान सम्मान और स्वाभिमान से जीने का रास्ता चुनें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकार के पास मुख्यधारा से भटके हुए लोगों के समर्पण हेतु बेहतर पॉलिसी है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार उनके विकास के लिए सरकार की योजनाओं से लाभान्वित तो कराती ही है साथ ही उनके परिवार के साथ रहने के लिए ओपन जेल और उनके बच्चों के पढ़ाई के लिए भी पूरी व्यवस्था कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर तबके और वर्ग के विकास के लिए सरकार ने योजनाएं बनाई हैं। आपकी आशाओं और उम्मीदों के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है। आप इन योजनाओं का लाभ लें। इन योजनाओं के जरिए आप इतना सशक्त, स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनें कि आपको कभी भी सरकार से राशन और अनुदान लेने की जरूरत नहीं पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज समाज में बदलाव आ रहा है। पुरुष और महिलाएं किसी भी मायने में एक- दूसरे से कम नहीं है । कई मायनों में तो पुरुष से अधिक महिलाएं जागरूक होकर कार्य कर रहीं है। सरकार से सहायता प्राप्त कर ट्रैक्टर और सवारी गाड़ी लेकर उन्हें भाड़े पर देकर मुनाफा कमा रहीं है और अपने परिवार का उत्थान कर रहीं है।

शेष पेज 2 पर

वीर शहीद के गांव में सोलर इरिगेशन से लहलहा रही फसल

शहीद नीलांबर पीताम्बर के परिजन विभिन्न योजनाओं से हुए आच्छादित

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन द्वारा एक वर्ष पूर्व मिले निर्देश के बाद लातेहार के कोने गांव में अब खेती की नई इबारत गढ़ी जा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यहां की पारंपरिक सिंचाई विधि को काफी हद तक बदल दिया गया है, ताकि किसानों को फसलों की अधिक उत्पादकता प्राप्त हो सके।अब यहां सोलर आधारित लिफ्ट इरिगेशनसे खेतों में सिंचाई कर किसान अपने विकास का रास्ता प्रशस्त कर रहे हैं। किसानों की मांग पूरी होने से उनके चेहरे पर मुस्कान

है। प्रथम चरण में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री वीर शहीद नीलांबर पीताम्बर की जन्म भूमि कोने गांव गए थे। इस दौरान किसानों ने मुख्यमंत्री से गांव में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की थी। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को बताया था कि सिंचाई सुविधा नहीं होने कारण लोग कम समय खेती कर पाते हैं, जिससे उन्हें परिवार चलाना मुश्किल हो जाता है। किसानों ने यह भी कहा था कि डीजल पंप से खेतों से सिंचाई करना किसानों के लिए घाटे का सौदा है।

शेष पेज 2 पर

जातिगत टिप्पणी मामले में कोर्ट से आरोप मुक्त हुए पांकी विधायक डा. शशिभूषण मेहता

डालटनगंज । भारतीय जनता पार्टी के तरहसी-पांकी के विधायक शशिभूषण मेहता को चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषण देने संबंधी आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में कोर्ट ने आरोप मुक्त कर दिया है। पलामू के एमपी-एमएलए कोर्ट के जज सतीश कुमार मुंडा की कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। इस दौरान कोर्ट में बचाव पक्ष के अधिवक्ता राहुल सत्यार्थी ने बताया कि 28 अप्रैल 2016 को लेस्लीगंज थाना में मेहता के विरुद्ध मामला पंजीकृत हुआ था। इसमें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 (अनधिकृत नुक्कड़ सभा) एवं 132 (सभा में आपत्तिजनक बातें) और भारतीय दण्ड संहिता के 171 (सी) (जातिगत विद्वेष उत्पन्न करना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत जातिगत दुर्भावना से प्रेरित भाषण के प्रयोग वर्जित है और मेहता के विरुद्ध इसका नुक्कड़ सभा में उपयोग करने का आरोप तत्कालीन प्रखण्ड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ने लगाया था। राहुल सत्यार्थी ने बताया कि अदालत ने सभी बिन्दुओं पर तथ्यगत एवं साक्ष्यगत विवेचना परांत फैसला सुनाते हुए विधायक शशिभूषण मेहता को चेतावनी के साथ रिहा करने का आदेश दिया।

1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति के लिए विधानसभा से पारित विधेयक को राज्यपाल ने लौटाया

रांची : राज्यपाल श्री रमेश बैस द्वारा झारखण्ड विधान सभा से पारित द्यझारखण्ड स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा और परिणामी सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिए विधेयक, 2022द्य की पुनर्समीक्षा हेतु राज्य सरकार को वापस कर दिया गया है। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार इस विधेयक की वैधानिकता की समीक्षा करें कि यह संविधान के अनुरूप एवं माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों व निदेशों के अनुरूप हो।

विदित हो कि यह अधिनियम माननीय राज्यपाल महोदय के अनुमोदन तथा माननीय राष्ट्रपति की सहमति हेतु प्रेषित करने का अनुरोध राज्य सरकार द्वारा प्राप्त हुआ था। इस अधिनयम के अनुसार, स्थानीय व्यक्ति का अर्थ झारखंड का अधिवास (डोमिसाइल) होगा जो एक भारतीय नागरिक है और झारखंड की क्षेत्रीय और भौगोलिक सीमा के भीतर रहता है और उसका या उसके पूर्वज का नाम 1932 या उससे पहले के सर्वेक्षण / खतियान में दर्ज है। इसमें उल्लेख है कि इस अधिनियम के तहत पहचाने गए स्थानीय व्यक्ति ही राज्य के वर्ग-3 और 4 के विरुद्ध नियुक्ति के लिए पात्र होंगे।

उक्त विधेयक की समीक्षा के क्रम में स्पष्ट पाया गया है कि संविधान की धारा 16 में सभी नागरिकों को नियोजन के मामले में समान अधिकार प्राप्त है। संविधान की धारा- 16(3) के अनुसार मात्र संसद को यह शक्तियाँ प्रदत्त हैं कि वे विशेष प्रावधान के तहत धारा 35 (अ) के अंतर्गत नियोजन के मामले में किसी भी प्रकार की शर्तें लगाने का अधिकार अधिरोपित कर सकते हैं। राज्य विधानमंडल को यह शक्ति प्राप्त नहीं है। ए.वी.एस. नरसिम्हा राव एवं अन्य बनाम आंध्र प्रदेश एवं अन्य (अक्फ्र 1970 ऱ3422) में भी स्पष्ट व्याख्या की गई है कि नियोजन के मामले में किसी भी प्रकार की शर्तें लगाने का अधिकार मात्र भारतीय संसद में ही निहित है। इस प्रकार यह विधेयक संविधान के प्रावधान तथा उच्चतम न्यायालय के आदेश के विपरीत है। झारखंड राज्य के अंतर्गत अनुसूचित क्षेत्र है जो पाँचवीं अनुसूची के तहत आच्छादित होता है। उक्त क्षेत्रों में शत प्रतिशत स्थानीय व्यक्तियों को नियोजन में आरक्षण देने के विषय पर उच्चतम न्यायालय के संवैधानिक बेंच द्वारा स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किया जा चुका है। उक्त आदेश में भी उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुसूचित क्षेत्रों में नियुक्तियों की शर्तों लगाने के राज्यपाल में निहित शक्तियों को भी संविधान की धारा 16 के विपरीत घोषित किया गया था। सत्यजीत कुमार बनाम झारखण्ड राज्य के मामले में भी पुनः सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुसूचित क्षेत्रों में राज्य द्वारा दिये गए शत प्रतिशत आरक्षण को असंवैधानिक घोषित किया गया था।

विदित हो कि विधि विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया था कि प्रश्नगत विधेयक के प्रावधान संविधान एवं सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के विपरीत है और कहा गया है कि ऐसा प्रावधान माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय द्वारा पारित संदर्भित कतिपय न्याय-निर्णय/न्यायादेश के अनुरूप नहीं है। साथ ही ऐसा प्रावधान स्पष्टतः भारतीय संविधान के भाग कक्क के अनुच्छेद 14, 15, 16 (2) में प्रदत्त मूल अधिकार से असंगत व प्रतिकूल प्रभाव रखने वाला प्रतीत होता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13 से भी प्रभावित होगा तथा अनावश्यक वाद-विवादों को जन्म देगा।

अतः राज्यपाल महोदय से समीक्षा करते हुए पाया कि वर्णित परिस्थिति में जब राज्य विधानमंडल में यह शक्ति निहित नहीं है कि वे ऐसे मामलों में कोई विधेयक पारित कर सकती है, तो इस विधेयक की वैधानिकता पर गंभीर प्रश्न उठता है और उन्होंने इस विधेयक को राज्य सरकार को यह कहते हुए वापस किया कि वे विधेयक की वैधानिकता की गंभीरतापूर्वक समीक्षा कर लें, विधेयक संविधान एवं उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुरूप हो।

पाठकों से,

झारखंड की राजधानी रांची से प्रकाशित साप्ताहिक समाचार पत्र न्यूज स्केल नये कलेवर और तेवर के साथ आप सभी सुधि और सहृदय पाठकगण के बीच मौजूद है । न्यूज स्केल को आप सभी सुधि पाठकों का स्नेहिल सहयोग भी मिल रहा है । यह समाचार पत्र न केवल रांची बल्कि झारखंड के दूर दराज इलाकों में अपनी अमिट छाप छोड़ने में कामयाब हो रही है । हमारा प्रयास होगा कि न्यूज स्केल और भी जानकारीपूर्ण और उपयोगी बने । आप सभी सुधि जनों से न्यूज स्केल को अपेक्षा है कि यथोचित मार्गदर्शन और सहयोग दें। आपके प्रतिक्रिया की हमें सतत प्रतीक्षा रहेगी ।

न्यूज स्केल परिवार

संपादक/प्रकाशक: मनोज कुमार कपरदार
समाचार संपादक: डीएन तिवारी
समन्वयक : अभिषेक कुमार चौबे
मेनेजिंग एडवाइजर: करुणा तिवारी
उप संपादक: संदीप कुमार सुमन 9431332870
आईटी हेड (सोशल मीडिया प्रभारी): मुन्ना कुमार 9431538439
उप संपादक: हिमांशु सिंह 6200980535, स्मिता चौबे
कार्यालय संवाददाता: चंद्रकिशोर
विशेष संवाददाता: मिठू सवाल

झारखंड के संवाददाता

विशेष संवाददाता: सतीश पांडेय 9097588263, मालिक बाबू, चतरा जिला कमलापति पांडेय (बबलू दूबे) 9470938673, निकेश कुमार मिश्रा 8210997478, रणधीर सिंह 9430346920, महेश कुमार प्रजापति 8083481478, **विज्ञापन प्रतिनिधि चतरा:** श्रीकांत राणा 7079574585, **इटखोरी प्रखंड संवाददाता:** आनंद कुमार शर्मा 8292766196, **पत्थलगडा प्रखंड संवाददाता:** मो. सेराजुल 87895 09936, सुनील कुमार दांगी 9097794639, **टंडवा प्रखंड संवाददाता:** मो. अजीज अंसारी 9955024691, शशि पाठक 9546912857, **कुंदा प्रखंड संवाददाता:** विनोद कुमार 9801019843, अजित कुमार यादव 6203414861, **गिद्धौर संवाददाता:** घनश्याम कुमार 8083775311, तुलसी कुमार यादव 7061357194, **हजारीबाग संवाददता :** पवन कुमार यादव 06200017659 **मयूरहंड संवाददाता:** नरेश कुमार सिंह 9113439433, **सिमारिया संवाददाता:** सुबोध शर्मा 9097920720, **राजपुर संवाददाता:** नीरज कुमार सिंह 8809395203, **पांकी (पलामू):** लोकेश कुमार सिंह 9057912224 **रामगढ़ :** शिव शंकर तिवारी 6201821110 **गोड्डा :** कौशल किशोर 9572265954 **सिमडेगा :** आरके मिश्रा 9308070796 **हजारीबाग विज्ञापन प्रतिनिधि :** रिंकू कुमार 08986811617

पेज 1 का शेष

बूढ़ा पहाड़ में अब

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन उत्पादों को बढ़ावा देने की सरकार ने योजना बनाई है। इसके तहत वन उत्पादों का एमएसपी तय किया जाएगा, ताकि इस पर आश्रित ग्रामीणों को वन उपजों का वाजिब मूल्य मिल सके। सरकार इन वन उत्पादों को खरीदेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर गांव में एक दवा दुकान खोलने का काम करने जा रही है। इन दवा दुकानों को खोलने के लिए इंटर तक पढ़े लोगों को भी लाइसेंस मिल सकेगा । साथ ही इन दवा दुकानों को मोबाइल के जरिए सरकारी डॉक्टर से जोड़ा जाएगा, जहां 24 घंटे ऑनलाइन सेवा मिल सकेगी ।

जल -जंगल -जमीन के लिए पूर्वजों ने कुबार्नी तक दी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे कई पूर्वजों ने जल- जंगल-जमीन के संरक्षण के लिए अपने प्राण तक कुर्बान कर दिए थे। उन्होंने कहा कि उनके पिता दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन ने झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने के लिए आदिवासियों को एकत्रित कर लंबा संघर्ष किया था। कई आंदोलनकारियों ने अपनी शहादत दे दी थी। उन्होंने कोने कोने में जाकर लोगों को जागरूक करने का काम किया । इस हेतु तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने उन्हें सम्मानित भी किया था। आज हमे अपने पूर्वजों के सपनो के अनुरूप झारखंड का नव निर्माण करना है।

ग्रामीणों की सुनी समस्याएं, साथ में बैठकर भोजन किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने मुझे सरकार बनाने का मौका दिया है। आपकी समस्याओं का समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है। इस मौके पर लोगों ने अपनी समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने मौजूद पदाधिकारियों को इनकी समस्याओं के निराकरण के लिए पहल करने का निर्देश दिया। इस क्रम में मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ मिलकर भोजन भी किया।

175 योजनाओं का शुभारम्भ

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बूढ़ा पहाड़ डेवलपमेन्ट प्रोजेक्ट के तहत के 5 करोड़ 2 लाख 79 हजार 939 रुपए लागत की कुल 175 योजनाओं का शुभारम्भ किया। जिसमें विशेष केन्द्रीय सहायता योजना से कुल 1 करोड़ 58 लाख 2 हजार 343 रुपए की 13 योजनायें, उर्जा विभाग (खफ्फ्ऊ्र) की 59 लाख 42 हजार 494 रुपए की 01 योजना, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार के भूमि संरक्षण प्रभाग से 48 लाख 50 हजार रुपए की कुल 07 योजनायें, मनरेगा अंतर्गत 2 करोड़ 10 लाख 35 हजार 438 रुपए की 135 योजनायें एवं 15वें वित्त की 26 लाख 49 हजार 664 रुपए की 19 योजनायें शामिल हैं। योजनाओं का लाभ टेहरी और हर्सी पंचायत के 11गांवों के लगभग 5500 परिवारों को होगा

लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 429 लाभुकों के बीच 1 करोड 25 लाख 81 हजार 303 रुपए की परिसम्पत्तियों का वितरण किया। जिसमें मिनी ट्रैक्टर, पम्पसेट, बर्मी बेड, बीज, कृषि उपकरण किट, खाद्यान राशन किट, सामुदायिक निवेश निधि, फुटबॉल किट आदि शामिल हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सर्वजन पेंशन योजना, मिशन वात्सल्य, ग्रीन राशन कार्ड, इत्यादि योजनाओं के लाभुको को स्वीकृति-पत्रों का वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर पेयजल एवम स्वच्छता मंत्री श्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, मुख्य सचिव श्री सुखदेव सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री राजीव अरुण एक्का, डीजीपी श्री नीरज सिन्हा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री विनय कुमार चौबे, सचिव श्री अबुबकर सिदिक्की, एडीजी अभियान श्री संजय लाटकर,आईजी अभियान श्री अमोल होमकर, सीआरपीएफ आईजी झारखंड श्री अमित कुमार, आयुक्त श्री जटा शंकर चौधरी,आईजी पलामू जोन श्री राजकुमार लकड़ा, उपायुक्त गढ़वा श्री रमेश घोलप, पुलिस अधीक्षक श्री अंजनी झा और टेहरी पंचायत की मुखिया समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

वीर शहीद के गांव में सोलर

इसलिए कुछ ऐसी व्यवस्था करवाएं, जिससे ग्रामीणों को सुविधा मिल सके। कार्यक्रम के दौरान वीर शहीद नीलांबर पीताम्बर के परपोते कोमल खरवार ने मुख्यमंत्री को योजनाओं से वंचित होने की बात कही थी। इसके बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर शहीद के परिजनों को आवास योजना, पशुधन विकास योजना समेत अन्य योजनाओं से जोड़ा गया। शहीद के घर तक जाने वाली सड़क को दुरुस्त किया गया। साथ ही सड़क के किनारे स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की गई। देखते ही देखते कोने गांव की सूरत बदल गई। अब शहीद के परिजन और ग्रामीण खुश हैं। वर्षों बाद उन्हें उनका हक और अधिकार मिला।

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं...
न्यूज स्केल
सुरेंद्र बक्शी
प्राचार्य
डिग्री महाविद्यालय सिमरिया

गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक
शुभकामनाएं...
न्यूज स्केल
किशुन दास
विधायक सिमरिया विधानसभा

UDAYAN PUBLIC SCHOOL
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक
शुभकामनाएं...
आओ झुककर सलाम करें उन्हें,
जिनके हिस्से में ये मुकाम आता है
खुशनसीब होता है वो खून,
जो देश के काम आता है।
Enjoy your freedom, but also
respect the numerous sacrifices
made by our leaders.
Happy Republic Day!
न्यूज स्केल

जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में राज्य के श्रम मंत्री ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज, गिनाई सरकार की उपलब्धियां

चतरा। गणतंत्र दिवस पर जिले में मुख्य समारोह जिला मुख्यालय स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में आयोजित की गई। कार्यक्रम में झारखंड सरकार के श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एंव कौशल विकास मंत्री सत्यानन्द भोगता ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मंत्री ने सर्व प्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर उपायुक्त अबू इमरान व एसपी राकेश रंजन ने मंत्री का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मंत्री श्री भोगता एंव जिले के आला अधिकारियों ने उपस्थित विभिन्न प्लाटून एंव उपस्थित जनसमूह को हौसला अफजाई किया। वहीं मंत्री

संग उपायुक्त व एसपी निरीक्षणयान पर सवार होकर प्लाटून का निरीक्षण किया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद जिला एंव राज्य में पूर्ण एंव अपूर्ण योजनाओं के सरकार की उपब्धियों से लोगों को मंत्री ने अवगत कराया। कार्यक्रम समापन से पूर्व विभिन्न विभागों के द्वारा झांकी प्रस्तुत किया गया। झांकी में मुख्य रूप से पर्यावरण, रोड सेफ्टी, फासिहारी तालाब में देश के बलिदानियों में शामिल सूबेदार जयमंगल पांडेय, सूबेदार नादिर अली शाह पर आधारित झांकी भी शामिल थी। वहीं मंत्री, डीसी व एसपी ने उत्कृष्ट कार्य के लिए एसडीपीओ अविनाश कुमार, सदर थाना प्रभारी इंसपेक्टर मनोहर करमाली समेत कर्मियों चालकों एंव झाड़ूकस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानीत किया।

सेवानिवृत्त शिक्षक को दी गई भावभिनि विदाई

मयूरहंड(चतरा): मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हरिजन जनता उच्च विद्यालय मंझगावां में सेवानिवृत्त शिक्षक नागेंद्र सिंह को भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में मुख्य रुप से बीडीओ साकेत कुमार सिन्हा, मुखिया मंजित सिंह व पूर्व विधायक योगेंद्र नाथ बैठा उपस्थित थे। उपस्थित वक्ताओं ने सेवानिवृत्त शिक्षक श्री सिंह के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कहा कि श्री सिंह ने स्कूल में लंबे समय तक सेवा दी, इनके कार्यकाल में विद्यालय का विकास हुआ है जो सराहनीय है। समारोह का संचालन कर रहे प्रधानाध्यापक सचित कुमार सिंह ने कहा कि विद्यालय में शिक्षक श्री सिंह का कार्यकाल सकारात्मक रहा। अपने कार्यकाल में सेवानिवृत्त शिक्षक ने सभी को एकसूत्र में बांध कर चलने का जो काम किया है उसे वर्तमान में हम शिक्षकों को भी करनी चाहिए। इस अवसर

पर मंचासीन शिक्षक, ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं विद्यालय समिति के सदस्यों द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षक श्री सिंह को माला पहनाकर व शॉल ओढ़ा कर सम्मान किया गया। इधर छात्रों ने भी शिक्षक को उपहार भेंट की। विदाई समारोह में मुख्य रूप से शिक्षक एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

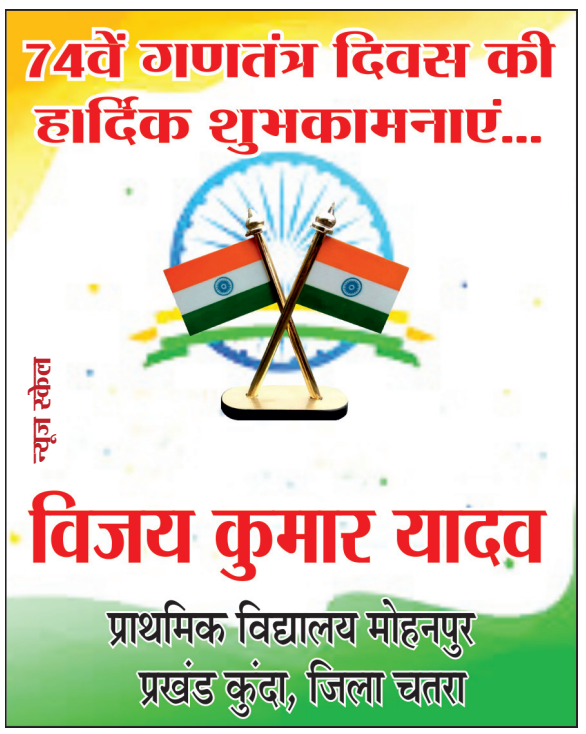

गणतंत्र दिवस पर फैंसी क्रिकेट मैच का आयोजन, प्रशासन एकादश ने पत्रकार एकादश को हराया

चतरा। गणतंत्र दिवस पर प्रशासन बनाम पत्रकार एकादश के बीच फैंसी क्रिकेट मैच जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में खेला गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल मंत्री सत्यानंद भोक्ता शामिल थे। मैच में पत्रकार एकादश ने निर्धारित 12 ओवर में 85 रन की चुनौती प्रशासन एकादश को दी। जिसे प्रशासन एकादश टीम ने 6 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच एसडीपीओ अविनाश कुमार 26 (8) रहे। प्रशासन एकादश टीम की ओर से खिलाड़ियों के रूप में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधिश राकेश कुमार सिंह, उपायुक्त अबु इमरान, पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, उप विकास आयुक्त उत्कर्ष गुप्ता, निदेशक, डीआरडीए अरुण कुमार एक्का, एसडीओ मुमताज अंसारी,

एसडीपीओ सदर अविनाश कुमार, गौरांग महतो जिला भू-अर्जन पदाधिकारी आदि शामिल थे। वहीं पत्रकार एकादश टीम में श्रम मंत्री, बिरजु तिवारी जिप उपाध्यक्ष, पत्रकार नौशाद आलम, जुलकर नैन, रशिद मामून, प्रदीप कुमार वर्मा, रवि कुमार, विपिन कुमार सिंह, सूर्यकांत कमल, सतेन्द्र मित्तल, शाह फहद अली, जफर प्रवेज, चंद्रेश शर्मा, सुनील कश्यप, संजित मिश्रा, अलख सिंह, धर्मेंद्र पाठक, मो. सरफराज, संजय कुमार, धिरेन्द्र ठाकुर, अजय चैरसिया, मो. तसलिम,अमित कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार, लकी कुमार, मो. जमालउदीन, विकास केसरी, राकेश कुमार सिंह, जितेंद्र चन्द्रवंशी, शंभु कुमार, सरोज बबली, संदीप कुमार गुप्ता आदि शामिल थे।

पीडीजे ने सिविल कोर्ट में लीगल एड डिफेंस काउंसिल कार्यालय का किया उद्घाटन, कहा

गुणवतापूर्ण विधिक सहायता देने के लिए डालसा प्रतिबद्ध

चतरा। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के तत्वावधान में व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सचिव प्रज्ञा वाजपेई द्वारा सिविल कोर्ट में लीगल ऐड डिफेंस कॉउंसिल कार्यालय खोला गया। जिसका उद्घाटन पीडीजे श्री सिंह, जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम राजेश कुमार सिंह, जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतये राकेश चंद्रा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंचम प्रेम शंकर, अवर मुख्य न्यायिक

दंडाधिकारी मोहम्मद उमर, सब जज अदनान अकीब, एसडीजेएम मुक्ति भगत, स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष मनोज कुमार, बार काउंसिल के सचिव मुरली मनोहर मिश्रा के द्वारा संयुक्त रुप से विधिवत फीता काट कर किया गया। पीडीजे ने कहा गुणवतापूर्ण विधिक सहायता देने के लिए डालसा प्रतिबद्ध है। वहीं सचिव श्रीमती वाजपेई ने बताया कि लीगल एड डिफेंस काउंसिल के लिए अधिवक्ता किरण प्रधान, अशोक कुमार सिंह तथा मृलानी प्रसाद व जितेन्द्र कुमार को नियुक्त किया गया है। यहां जरुरतमंदों को गुणवतापूर्ण विधिक सहायता व परामर्श दिया जाएगा।

सरकार गठन के बाद हमने संकल्प लिया था उस वादे को हम पूरा करेंगे : मुख्यमंत्री

दुमका : झारखण्ड के मुख्यमंत्री ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर समस्त झारखण्डवासियों और देशवासियों को 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएँ एवं अभिनन्दन किया। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी को, पं0 जवाहरलाल नेहरू, डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, मौलाना अबुल कलाम आजाद, सरदार बल्लभ भाई पटेल, शहीदे आजम भगत सिंह और बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेदकर सहित उन महान विभूतियों के नेतृत्व में देश ने स्वतंत्रता प्राप्त की और एक सशक्त गणतांत्रिक राष्ट्र के रूप में विश्व के मानचित्र पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो सके। आज ही के दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ था। दासता के दुःख भरे इतिहास को भुलाकर एक स्वर्णिम भविष्य की आकांक्षाओं के साथ हमने अपने संविधान को अपनाया और एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण का संकल्प लिया जहाँ न तो आर्थिक विषमता हो और न सामाजिक भेद-भाव। स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हमारे संविधान की मूल भावना है। सरकार गठन के बाद हमने संकल्प लिया था उस वादे को हम पूरा करेंगे। हमने वादा किया था कि हम राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को बहाल करेंगे। सरकारी कर्मियों की इस चिर-प्रतीक्षित माँग को पूरा करते हुए हमारी सरकार ने राज्य में पुरानी पेंशन योजना को लागू कर दिया है। अब राज्य सरकार के कर्मियों के चेहरे पर मुस्कान है और वे अपने भविष्य को लेकर आश्वस्त हैं। सरकार ने 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय व्यक्ति को परिभाषित करने एवं सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग के लिए तय आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से संबंधित दोनों विधेयकों को झारखण्ड विधान सभा से पारित कराया है। सरकार संविधान की मूल भावना के अनुरूप गरीबों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए विशेष रूप से प्रयास कर रही है। राज्य सरकार के द्वारा हरा राशन कार्ड, बिरसा हरित ग्राम योजना, वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना, फूलो-झानों आशीर्वाद अभियान, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सोना-सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना, छात्रवृत्ति योजना, सर्वजन पेंशन योजना जैसी कई लोक कल्याकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबों तथा जरूरतमंदों को लाभान्वित किया जा रहा है। राज्य सरकार शिक्षा के प्रति सजग एवं संवेदनशील है। राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के नामांकन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु हम कृतसंकल्पित हैं। आने वाले दिनों में शत प्रतिशत नामांकन के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में अच्छी उपलब्धि प्राप्त कर सकें। इससे झारखण्ड एक शिक्षित एवं समृद्ध राज्य

की श्रेणी में आ जाएगा।

सरकार ने अल्पसंख्यक विद्यालयों की बहुत पुरानी मांग को मानते हुए वित्त रहित शिक्षा नीति के तहत 46 प्रस्वीकृत मदरसों एवं 33 प्रस्वीकृत संस्कृत विद्यालयों के अनुमान्य अनुदान की राशि को बढ़ाकर दोगुना कर दिया है। राज्य के वैसे छात्र जो 10वीं/12वीं कक्षा उत्तीर्ण होने के बाद आर्थिक कारणों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं, उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु गुरूजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की शुरूआत की गई है। इस योजना अर्न्तगत छात्रों को बैंकों के माध्यम से साधारण ब्याज की दर से अधिकतम 15 लाख रुपए तक की राशि ऋण के रूप में उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इससे छात्रों को उच्च शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा होगी। युवाओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहयोग हेतु उन्हें निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था प्रदान करने के उद्देश्य से एकलव्य प्रशिक्षण योजना का शुभारम्भ किया गया है। इस योजना के तहत राज्य के विद्यार्थियों को कर्मचारी चयन आयोग और विभिन्न भर्ती एजेंसियाँ जैसे बैंकिंग/रेलवे भर्ती बोर्ड आदि के द्वारा ग्रुप ह्यएह्ल, ह्यबीह्ल और ह्यसीह्ल हेतु प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारियों हेतु निःशुल्क कोचिंग की सुविधा एवं सहायता राशि उपलब्ध करायी जायेगी।

झारखण्ड राज्य प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण राज्य है। राज्य के मानव संसाधन का समुचित उपयोग अबतक नहीं हुआ है। इसीलिए राज्य के युवाओं को रोजगार पाने अथवा स्वरोजगार करने योग्य बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के निमित्त ह्यह्यमुख्यमंत्री सारथी योजनाह्यह्य का शुभारंभ किया गया है। इस योजना के तहत प्रतिवर्ष 2 लाख युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।दुमका प्रक्षेत्र में अबतक इस योजना से एक लाख तीस हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया गया है। झारखण्ड राज्य प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति नियमावली, 2022 के अन्तर्गत प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के लाभुक छात्र-छात्राओं को पूर्व निर्धारित न्यूनतम राशि में 9 सालों के बाद लगभग 3 गुणा वृद्धि की गई है। इसी तरह पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत मिलने वाली अधिकतम राशि को पचास हजार रुपए से बढ़ाकर एक लाख रुपए कर दिया गया है। राज्य की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हेतु हमारी सरकार सतत प्रयत्नशील है। जन-जन को आरोग्य एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हेतु हमारी सरकार ने मुख्यमंत्री गम्भीर बीमारी उपचार योजना के प्रभावित व्यक्तियों की चिकित्सा हेतु देय सहायता अनुदान की राशि को 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर दिया है। साथ ही पूर्व से स्वीकृत असाध्य रोगों की सूची में अन्य असाध्य रोगों को भी शामिल किया गया है। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम अन्तर्गत कुल लगभग 34 लाख लाभुकों को प्रतिमाह प्रति पेंशन का भुगतान किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा संचालित सर्वजन पेंशन योजना के अन्तर्गत 20 लाख से अधिक वृद्धा, विधवा एवं दिव्यांग जनों को पेंशन का भुगतान किया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से अनाच्छादित पात्र लाभुकों को खाद्यान्न उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से झारखण्ड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना चलाई जा रही है, इस योजना के तहत 15 लाख 26 हजार से अधिक लाभुकों को 1 रुपए प्रति किलोग्राम की अनुदानित दर से चावल उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य के अड़तीस हजार चार सौ बत्तीस आंगनबाड़ी सेविका, 35,881 पैतीस हजार आठ सौ एकासी आंगनबाड़ी सहायिका तथा 2551 दो हजार पाँच सौ एकावन लघु आंगनबाड़ी सेविका के मानदेय में बढ़ोतरी कर क्रमशः रु0 9500/-, रु0 4750/- तथा रु0 9500/- प्रतिमाह किया गया है। इन कर्मियों के चयन, मानदेय हेतु एक नियमावली गठित कर राज्य सरकार द्वारा इन्हें एक सकारात्मक कार्य वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। आँगनबाड़ी केन्द्रों में शिक्षा प्राप्त कर रहे 03-06 वर्ष के नौनिहालों को शीतकाल में दो सेट गर्म पोशाक उपलब्ध कराने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है। इसके लिए राज्य के सभी जिलों को कुल 45 करोड़ 60 लाख रुपए की राशि उपलब्ध करायी गई है। इससे 13 लाख बच्चे लाभान्वित होंगे।

राज्य में इस वर्ष सामान्य से काफी कम वर्षा के कारण खरीफ मौसम में रोपाई/बुआई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। हमारी सरकार ने राज्य के 22 जिलों के कुल 226 प्रखण्डों को सूखाग्रस्त घोषित किया है, जहाँ लगभग 30 लाख से अधिक कृषक परिवारों की आजीविका प्रभावित हुई है। मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना के अन्तर्गत वैसे कृषक जिन्होंने इस वर्ष बुआई नहीं किया है या जिनकी फसल क्षति 33 प्रतिशत से अधिक है या भूमिहीन कृषक मजदूर हैं, को प्रति कृषक परिवार 3500 रुपये खाते में हस्तांतरित की जा रही है। प्रथम चरण में राज्य के 6 लाख 15 हजार से अधिक किसानों के बैंक खाते में क्ठज के माध्यम से तात्कालिक सुखा राहत हेतु कुल 215 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का हस्तांतरण किया गया है। इसके साथ-साथ झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना के अन्तर्गत अबतक लगभग 4 लाख 20 हजार लाभुकों को कुल 1671 करोड़ रुपये का ऋण माफ किया गया है। किसानों की खुशहाली तथा कृषि प्रक्षेत्र को सबलता प्रदान करने के उद्देश्य से किसान क्रेडिट कार्ड योजना के कार्यान्वयन में तेजी लायी गयी है। समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना-सह-कृषक पाठशाला योजना के माध्यम से स्थानीय किसानों की क्षमता में वृद्धि करते हुए उन्हें कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, सूकर पालन इत्यादि में दक्ष एवं रोजगार उन्मुखी बनाते हुए उनकी आय में बढ़ोत्तरी का प्रयास किया जा रहा है।

झारखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने तथा पलायन रोकने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजनान्तर्गत 90ः एवं 75ः अनुदान पर लाभुकों को पशु एवं पक्षी उपलब्ध कराया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-2023 में इस योजना हेतु कुल राशि रुपए 40 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस वित्तीय वर्ष में कुल चार लाख योजनाओं को पूर्ण किया जा चुका है तथा 10 लाख योजनाओं पर कार्य जारी है। सुखाड़ को देखते हुए प्रति गाँव कम से कम 5 योजनाओं का क्रियान्वयन करने का लक्ष्य तय किया गया है।

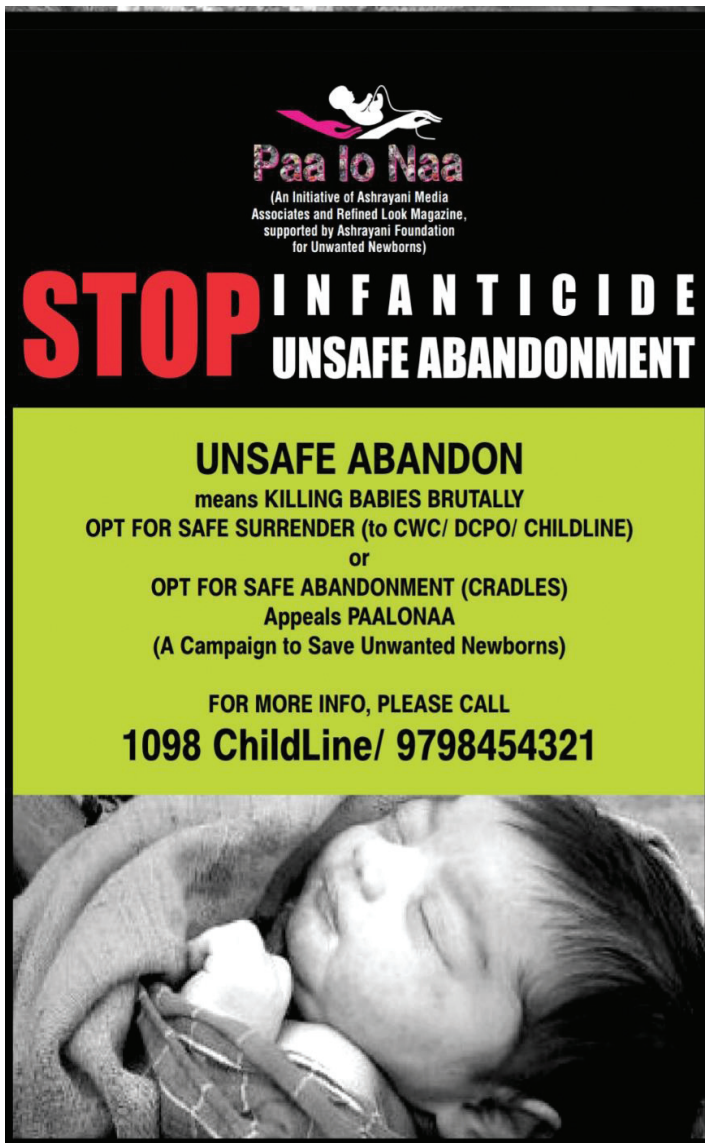

राज्य में गोमुक्तिधाम का शिलान्यास, हमारी संस्कृति के काफी करीब : श्री बादल

रांची। मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य के किसानों और पशुपालकों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने में कई योजनाओं को आकार देने का प्रयास जारी है। साथ ही सरकार आम जन की संस्कृति के अनुरूप कार्य कर रही है। उसी कड़ी में राज्य की संवेदनशील सरकार द्वारा पहली बार गोमुक्तिधाम का शिलान्यास पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रमंडल स्तर पर शुरू किया जा रहा है। यह कहना है कृषि मंत्री श्री बादल का। वह शनिवार को हेसाग स्थित पशुपालन भवन में आयोजित पशु मेला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में ऑनलाइन शामिल होकर पदाधिकारियों एवं पशुपालकों को संबोधित कर रहे थे।

श्री बादल ने कहा कि प्रमंडल स्तर पर गोमुक्तिधाम के साथ सभी जिलों में भी गोमुक्तिधाम का निर्माण कराया जाएगा। इस संबंध में सभी जिला के उपायुक्तों से जमीन चिह्नित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पशु चिकित्सालय के लिए जल्द ही हम एंबुलेंस की व्यवस्था करने जा रहे हैं। यह पशुपालन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि होगी। साथ ही सरकार राज्य के 100 पशु अस्पतालों को अपग्रेड कर उन्हें मॉडल एनिमल हॉस्पिटल बनाने जा रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अस्पताल में 24 घंटे डॉक्टर उपलब्ध रहें। कृषि मंत्री ने कहा कि जल्द ही पशुपालन यूनिवर्सिटी भी राज्य में बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 42,000 परिवार दुग्ध उत्पादन से जुड़े हैं। हमारा लक्ष्य है कि 1,00,000 परिवारों को दुग्ध उत्पादन से जोड़ा जाए। साथ ही सरकार का लक्ष्य है कि अभी राज्य में उत्पादित 1.8 लाख लीटर दूध का उत्पादन 5 लाख लीटर तक सुनिश्चित किया जाए।

श्री बादल ने कहा कि मूक प्राणियों के प्रति हमें संवेदना रखनी होगी । जिस तरह से हम अपने बच्चों के प्रति, उनकी बीमारियों के प्रति संवेदनशील हैं, ठीक उसी तरह, पशुधन के प्रति हमें संवेदनशील बनने की जरूरत है। सरकार संस्कृति के अनुरूप लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बना रही है और हमारे विभाग के पदाधिकारी योजनाओं को क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। लेकिन, इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए गांव के लोगों को ज्यादा जागरूक होने की जरूरत है।

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए पशुपालन निदेशक श्री शशि प्रकाश झा ने कहां की राज्य में पशुपालन विभाग द्वारा प्रत्येक पंचायत में दो दिवसीय पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। साथ ही प्रत्येक जिला में दुग्ध संग्रहण के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा ?2 प्रति लीटर दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहन राशि दी जाती है, जिसकी वजह से दुग्ध संग्रहण में 40% की अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। उन्होंने पशुपालन एवं डेयरी के बारे में ए टू जेड कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

कृषि सचिव ने राज्य के पशुपालकों के लिए एक वेबसाइट को लॉन्च किया। इस वेबसाइट के माध्यम से राज्य के पशुपालकों के पशुधन से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। यह मेला हेसाग में 2 फरवरी तक चलेगा तदुनुपरांत 3 फरवरी से राज्य के सभी जिलों में एक सप्ताह तक मेले का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के पशुपालन प्रभाग की डायरी का भी विमोचन किया गया जिसमें विभाग से जुड़ी सभी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई है, साथ ही 51 कृत्रिम गभार्धान कार्यकताओं को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए गए। विभागीय सचिव ने 3 व्यक्तियों को तीन जोड़ा बैल का वितरण भी किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से निबंधन सहकारिता श्री मृत्युंजय बरनवाल, मत्स्य निदेशक श्री एचएन द्विवेदी, विशेष सचिव श्री प्रदीप हजारे, कॉपरेटिव बैंक के सीईओ सहित बड़ी संख्या में पशुपालक उपस्थित थे।

कृत्रिम गभार्धान को लेकर पशुपालकों को करें जागरूक: कृषि सचिव

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव श्री अबू बकर सिद्दीकी ने कहा कि पशु वैक्सीनेशन हमारे राज्य में काफी कम है और मांग के अनुरूप वैक्सीनेशन की आपूर्ति के बीच समन्वय बैठाना हम सबके लिए जरूरी है। प्रशिक्षित लोगों के साथज्यादा से ज्यादा स्वयंसेवी संस्थाओं को वैक्सीनेशन कार्यक्रम से जोड़ें, ताकि ग्रामीण स्तर पर पशुओं को वैक्सीनेट किया जा सके। उन्होंने कहा कि लोगों को जाकर वैक्सीनेशन का फायदा बताएं, उन्हें जागरूक करें और उन्हें यह समझाएं कि रोकथाम ही एकमात्र उपाय है। अगर जानवरों को बचाना है तो, पशुओं की इंसान की तरह देखभाल करना जरूरी है, ताकि उन्हें भी बीमारी से बचाया जा सके। विभागीय सचिव ने कहा कि कृत्रिम गभार्धान के प्रति किसानों को जागरूक करें, उन्हें समझाएं कि कृत्रिम गभार्धान से हाइब्रिड क्वालिटी प्राप्त होती है ।

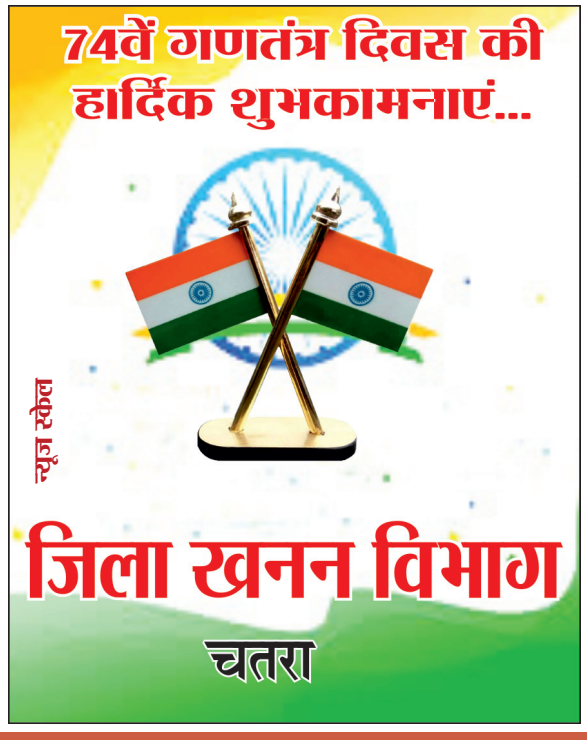

मुख्यमंत्री ने 10 अरब 95 करोड़ 60 लाख 57 हजार 890 रुपए की लागत से 110 योजनाओं का किया उद्घाटन- शिलान्यास

कन्वेंशन सेंटर से दुमका जिले को मिलेगी एक नई और अलग पहचान : हेमन्त सोरेन

दुमका : सरकार की योजनाएं धरातल पर उतरे। योजनाओं का क्रियान्वयन तीव्र गति हो। योजनाएं ससमय पूरी हो। इसके लिए योजनाओं की लगातार निगरानी जरूरी है। इसी कड़ी में मैं स्वयं जिलों में जाकर मुख्यालय और जिले के अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की जमीनी हकीकत की जानकारी ले रहा हूं। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने आज दुमका में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित और बहु उपयोगी कन्वेंशन सेंटर के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 110 योजनाओं का उद्घाटन - शिलान्यास, लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण और अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तरीय योजनाओं की समीक्षा जिलों में होनी चाहिए। इससे निश्चित तौर पर बेहतर नतीजे आएंगे। मुख्यालय मैं बैठे वरीय अधिकारी की जिम्मेदारी है कि वे जिला स्तरीय योजनाओं की मॉनिटरिंग नियमित रूप से करें। अगर सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाएंगे तो हम एक बेहतर और व्यवस्थित व्यवस्था दे सकेंगे। इसका फायदा इस राज्य और यहां रहने वाले लोगों को होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने इस राज्य में पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं को दूर करने की एक नई परिपाटी शुरू की। योजना की सफलता का आकलन इसी बात से किया जा सकता है कि लाखों लोगों को उनके दरवाजे पर जाकर सरकार की योजनाओं का लाभ दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुमका संथाल परगना प्रमंडल का केंद्र बिंदु होने के साथ झारखंड की उप राजधानी है। यह जिला कई क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बना कर आगे बढ़ रहा है। इस कड़ी में कन्वेंशन सेंटर यहां के लिए एक और बड़ी सौगात है। यह सेंटर एक मायने में पूर्ण पैकेज की तरह है ,जहां सांस्कृतिक, सेमिनार, सम्मेलन समेत कई कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। यह आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित और बहु उपयोगी सेंटर है, जहां एक छत के नीचे कई सुविधाएं उपलब्ध है । इस सेंटर की व्यवस्था मेंटेन रहे , इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार देखा गया है कि छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों के कार्यक्रमों के लिए भी बड़े होटलों या बड़े शहरों का रुख करना होता है। लेकिन, कन्वेंशन सेंटर के होने से अब यहां के कार्यक्रम इसी शहर और जिले में आयोजित होंगे, जिसमें वास्तविक रूप से कार्यक्रम से जुड़े ज्यादा से ज्यादा लोगों को भी शामिल होने का मौका मिलेगा।

इस अवसर पर सांसद श्री विजय हांसदा, विधायक श्री नलिन सोरेन और बसंत सोरेन, जिला परिषद अध्यक्षा, पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री सुदर्शन प्रसाद मंडल, उपायुक्त श्री रविशंकर शुक्ला और पुलिस अधीक्षक श्री अंबर लकड़ा समेत जिले के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

योजनाओं का उद्घाटन- शिलान्यास, परिसंपत्तियों और नियुक्ति पत्र का हुआ वितरण

मुख्यमंत्री ने 10 अरब 95 करोड़ 60 लाख 57 हजार 890 रुपए की लागत से 110 योजनाओं का उद्घाटन - शिलान्यास किया। इसमें 2 अरब 38 करोड़ 61 लाख 11 हजार 500 रुपए की 24 योजनाओं का लोकार्पण और 8 अरब 56 करोड़ 99 लाख 46 हजार 390 रुपए की 86 योजनाओं की नींव रखी गई।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने लगभग 32 करोड रुपए की लागत से निर्मित अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कन्वेंशन सेंटर और शिकारीपाड़ा में आईटीआई भवन का उद्घाटन किया।

जिन महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास हुआ उसमें 9 उच्च स्तरीय पुल, 45 स्वास्थ्य उप केंद्रों का भवन निर्माण, 12 सड़कें, 10 सड़कों का मजबूती करण और चौड़ीकरण, 4 चेक डैम, जामा -जरमुंडी जलापूर्ति योजना, काठीकुंड- शिकारीपाड़ा जलापूर्ति योजना तथा दुमका हवाई अड्डा के लिए अधिग्रहित अतिरिक्त भूमि का चहारदीवारी निर्माण शामिल है।

सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के 88777 लाभुकों के बीच 1 अरब 59 करोड़ 37 लाख 77 हजार 231 रुपए की परिसंपत्ति, ऋण और अनुदान राशि का वितरण मुख्यमंत्री ने किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के द्वारा विभिन्न विभागों के लिए 103 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

इस वर्ष दुमका जिले को कालाजार मुक्त जिला घोषित कर दिया गया है। ऐसे में कालाजार के खिलाफ जंग करने वाले फ्रंटलाइन वर्कर्स के बीच पोषण किट का वितरण किया गया।

खूँटी थानांतर्गत 32 एकड़ समेत कुल 47एकड़ पर लगे अफीम फसल नष्ट

खूँटी । शहर थाना अंतर्गत ग्राम भंडरा, चांडीडीह स्थित जंगली क्षेत्र में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में मंगलवार को करीब 32 एकड़ अफीम खेती का विनष्टीकरण किया गया। एक दिन में एक साथ इतना बड़ा क्षेत्र में अफीम का विनष्टीकरण पहली बार हुआ है। जिसमें खूँटी थाना प्रभारी की अगुवाई में एसएसबी हूंट, एसएसबी अड़की तथा जिला बल के सहयोग से अफीम का विनष्टीकरण किया गया। जिसके विशिष्टीकृत करने में शाम हो गयी। इसके अलावे सयको थाना अंतर्गत ग्राम ओतोंगओड़ा और रानी फॉल के आसपास में लगभग 6 एकड़ में लगे अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया। तथा अडकी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हेंब्रम के जंगली क्षेत्रों में करीब 7 एकड़ में सशस्त्र बल के द्वारा खेतों में लगे अवैध अफीम के पौधे को विनिस्टीकरण किया गया। और अड़की थाना क्षेत्र अंतर्गत बिरबांकी पंचायत के के ग्राम रुगरू में लगभग 2 एकड़ में लगे अवैध अफीम की खेती को 94 बटालियन सीआरपीएफ कंमनी के द्वारा नष्ट किया गया।

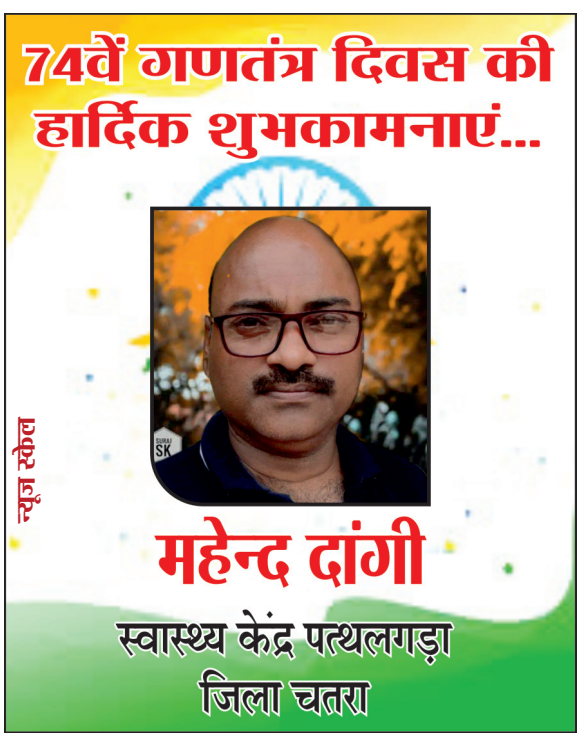

गणतंत्र का आह्वान

चौहत्तर साल पहले आज ही के दिन भारत की संसद ने देश की शासन व्यवस्था चलाने के लिए एक संविधान स्वीकार किया था जिसने भारत सरकार अधिनियम-1935 की जगह ली। इस संविधान का आरम्भ उसकी उद्देशिका के साथ होता है और उद्देशिका का आरम्भ संविधान को लेकर कुछ आधारभूत स्थापनाओं के लिए भारतीय समाज की प्रतिश्रुति के साथ होता है। ये प्रतिश्रुतियां संविधान का आधार बनती हैं और उसके प्रयोग की सम्भावनाओं और सीमाओं को भी रेखांकित करती हैं। न्याय , स्वतंत्रता , समता और बंधुत्व के चार मानवीय और सभ्यतामूलक लक्ष्यों को समर्पित ये प्रतिश्रुतियां भारतीय समाज की उन भावनाओं के सार तत्व को प्रतिबिम्बित करती हैं जो एक आधुनिक राष्ट्र की परिकल्पना को मूर्त आकार देती हैं ।एक तरह से पूरा संविधान ही इन्हीं प्रतिश्रुतियों को व्यवहार में लाने की व्यवस्था का विस्तार करने वाला एक आधुनिक दस्तावेज उपस्थित करता है। यह दस्तावेज इस बात का भी निर्देश देता है कि देश की यात्रा किस तरह से आगे बढ़े और इस बात की निगरानी भी हो सके कि यह यात्रा किस तरह हो रही है। विश्व का यह अब तक का सर्वाधिक विस्तृत संविधान जनता जनार्दन का जयघो ष करते हुए जनता को सर्वोच्च शक्ति सम्पन्न होने का सामर्थ्य देता है और सरकार से यह अपेक्षा करता है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा इसका अनुपालन किया जाएगा। साथ ही यह प्रावधान भी हुआ कि जरूरत पड़ने पर आवश्यकतानुसार लोकहित में इसमें बदलाव भी लाया जा सकेगा। एक गम्भीर अर्थ में संविधान की उद्देशिका देश की प्रगति के लिए कसौटी का भी काम करती है। यह देशवासियों से पूछती भी है कि एक इकाई के रूप में देश की यात्रा किन पड़ावों से गुजर कर कहां पर पहुंची है। इस दृष्टि से निर्वाचित सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह उन उपायों का प्रावधान कर यह सुनिश्चित करती रहे कि इन महान लक्ष्यों की पूर्ति निर्बाध रूप से हो। प्रजा का सुख या लोक-संग्रह शासन के लिए लक्ष्य के रूप में प्राचीन काल से ही स्वीकृत रहा है। इसे ही ह्यरामराज्यह्ल भी कहा गया था और जिसका उल्लेख महात्मा गांधी ने भी किया था। संविधान की उद्देशिका में उल्लिखित चा र केंद्रीय लक्ष्यों का आपस में इतना घनिष्ट रिश्ता है कि हर एक की प्राप्ति दूसरे की प्राप्ति से जुड़ी हुई है। उदाहरण के लिए जब हम न्याय की बात करते हैं तो उसमें मुख्य रूप से आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में दो तरह की विषमताओं से पार पाने की बात आती है। पहली, वे जो पीढ़ियों से चली आ रही हैं जैसे जातिगत भेद भाव और अस्पृश्यता और दूसरी वे जो आधुनिक समय में पैदा हो रही हैं। गौरतलब यह भी है कि इस बीच देश की जनसंख्या भी निरंतर बढ़ती रही है जिसके चलते जरूरी संसाधनों पर कई तरह के दबाव लगातार बढ़ते गए हैं। न्याय का सीधा रिश्ता अधिकारों की रक्षा और जो समाज के विभिन्न वर्गों को जो प्राप्तव्य है उसको पाने से है। न्याय को सुनिश्चित करने पर ही समता की उपलब्धि सम्भव हो पाती है। इसके लिए अवसरों की संरचना तक सबकी पहुंच जरूरी है। पहले से ही मौजूद विविधता के चलते विभिन्न समुदाय खुद को अवसरों के पायदान पर अलग-अलग सीढ़ियों पर खड़े पाते हैं। यह भिन्नता समूहों के अंदर और समूहों के बी च दोनों ही तरह की होती है। उदाहरण के लिए कुछ समुदाय अन्य समुदायों की तुलना में गरीब हैं पर किसी भी समुदाय के सभी सदस्य एक जैसे नहीं होते। इस तरह नीची जाति में में भी धनी और ऊंची जाति में गरीब भी मिलते हैं। आज के युग में सामर्थ्य ही स्वतंत्रता तय करती है और स्वतंत्रया से सामर्थ्य उपजती है। जहां परतंत्रता दूसरों के नियंत्रण में थोपे गए रास्ते पर चलने को बाध्य करती है स्वतंत्रता वि कल्प चुनने की छूट देती है। उसकी मौलिक शर्त आत्मनिर्भरता हो ती है। समता और बंधुत्व सामाजिक विविधताओं के बीच सहज स्तर पर पारस्परिक रिश्तों को जीने सम्भव करते हैं। थोड़ी गहराई में जाएं तो यह बात साफ हो जाएगी कि स्वतंत्रता तभी संभव है जब समता है। विषमता का होना प्रभुत्व और वर्चस्व को जन्म देता है जो दूसरों की स्वतंत्रता को बाधित करता है। सौहार्द के बिना सहयोग सम्भव नहीं होता है और आज के युग में अकेले दम पर कुछ भी करना संभव नहीं है। सा थ ही सद्भाव की परिस्थिति होने पर ही सक्रिय और सर्जनशील प्रवृत्तियों का विकास हो सकेगा। इस तरह उद्देशिका की स्थापनाएं बिना किसी भेद-भाव के सबको साथ रहने और मानवीय गरिमा के अनुसार जीवन में आगे बढ़ते रहने के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। ये शोषण और दमन के विरुद्ध निर्भय हो कर आत्म-विश्वास और आपसी सौहार्द के साथ जीवन जीने के लिए आमंत्रण देती हैं। गणतंत्र का उत्कर्ष इन्हीं स्थितियों को बनाने और बनाए रखने में निहित होता है और सबसे बड़ी बात यह है कि यह सब किसी दूसरे द्वारा नहीं बल्कि जनता और उसके चुने प्रतिनिधियों द्वारा होता है। आधुनिक गणराज्य या ह्यरिपब्लिकह्ल का स्पष्ट आशय राज्य की ऐसी व्यवस्था से है जो शासक विशेष की व्यक्तिगत सम्पदा न हो ।इस अर्थ में गणतंत्र जनता का स्वराज है। गणतंत्र या रिपब्लिक आज एक विधिसम्मत शासन प्रणाली के रूप में अक्सर पश्चिम की देन मानी जाती है परंतु ह्यगणह्ल शब्द का उपयोग वेद और पुराण आदि में भी मिलता है। पाणिनि के ह्यअष्टाध्यायीह्ल और व्यास के ह्यमहाभारतह्ल में गणों और गण-संघ, गणसभा और मतदान का उल्लेख मिलता है। लिच्छवियों का गणराज्य जिसकी राजधानी वैशाली थी विश्व का सबसे प्रा चीन गणराज्य है। यह आज से ढाई हजार वर्ष पहले भारत में गणतांत्रिक व्यवस्था की उपस्थिति को दर्ज कराता है। यहां समितियां थीं जो आम जनता के लिए नीति-निर्माण करती थीं।थीं छठीं सदी ईसा पूर्व यहां का शासक जन प्रतिनिधियों द्वारा चुना जाता था। चीनी यात्री ह्वेनसांग के यात्रा- वृत्तांत से भी इसकी पुष्टि होती है। बौद्ध काल में सोलह महाजनपदों का जिक्र मिलता है।

खिलाड़ियों के चयन में भ्रष्टाचार ले डूबा भारतीय हॉकी को

आर.के. सिन्हा

पिछले रविवार को देश के करोड़ों हॉकी चाहने वालों का सपना तार-तार हो गया। सबको उम्मीद थी कि 1975 के बाद भारत फिर से हॉकी वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब हो जाएगा। पर यह हो न सका । ओडिशा में खेले जा रहे हॉकी वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने पेनाल्टी शूट आउट में भारत को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली और भारत खिताबी दौड़ से बाहर हो गया। दरअसल टोक्यो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम से आशा की किरण इसलिए नजर आ रही थी, क्योंकिक्यों उसका पिछले ओलंपिक खेलों में सराहनीय प्रदर्शन रहा था। कहना होगा कि भारत की महिला और पुरुष हॉकी टीमों ने टोक्यों ओलंपिक खेलों में बेहतर प्रदर्शन किया था। भारत के हॉकी प्रेमियों को एक लंबे अंतराल के बाद इतना शानदार प्रदर्शन देखने को मिला था अपने खिलाड़ियों से। पर चालू वर्ल्ड कप में हमारी हॉकी टीम का खेल बेहद औसत दर्जे का रहा। यह समझ में नहीं आता कि किस आधा र पर और किस समय से ओलम्पिक में कांस्य पदक जितने वाले टीम से पांच-छह खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर दिया गया? कहीं इसमें भ्रष्टाचार का प्रदर्शन तो नहीं हुआ? अगर नहीं तो ओलंपिक जीतने वाली टीम के लगभग आधे खिलाड़ियों को बाहर करने की वजह क्या थी। इस वर्ल्ड कप के शुरू होने से पहले 1975 में अंतिम बार वर्ल्ड चैंपिचैं यन बनी भारती य टीम के गोल कीपर अशोक दीवान ने राउरकेला रवाना होने से पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि हम चैंपिचैं यन बनेंगे। उनके साथ दादा ध्यानचंद के पुत्र और 1975 के वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में पाकिस्तान पर विजयी गोल दागने वाले अशोक कुमार भी थे। पर उम्मीदें और प्रार्थनाएं काम नहीं आईं। काम कैसे आतीं।तीं हमने कतई स्तरीय खेल नहीं खेला। एक बात तो कहनी होगी कि भारत जब हॉकी में ओलंपिक या विश्व चैम्पियन हुआ करता था तब भारत के पास विदेशी टीमों के मुकाबले अच्छी सुख सुविधा एं बहुत कम हुआ करती थीं।थीं हमारे पास सीमित साधन थे लेकिन खिलाड़ियों की कला दमखम और जज्बा आला हुआ करता था, आज ग्लैमर, पैसा, सबकुछ होते हुये भी हमारे खिला ड़ियों में जीत का जज्बे ओर टेक्निक की कमी है। चालू वर्ल्ड कप में हमारी हॉकी टीम ने कोई उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं किया। यकीन मानिए कि वेल्स के खिलाफ लचर प्रदर्शन से ही भारतीय हॉकी प्रेमियों में निराशा छा गई थी। भारतीय टीम जैसे-तैसे प्री क्वार्टर फाइनल में आ गई। प्री- क्वार्टर फाइल मैच में अच्छी खासी बढ़त के बावजूद हम हार गए। हमारा खेल बेहद सुस्त और रक्षात्मक रहा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह का नेतृत्व भी दोयम दर्जे का ही रहा। न अग्रिम पंक्ति में कोई सामंजस्य और न रक्षापंक्ति में कोई तालमेल। सब बस खानापूर्ति करने और टाइम बर्बाद करने के लिए ही खेल रहे थे हमारे खिलाड़ी। न्यूजीलैंड हम से बेहतर खेली और इसीलिये जीती। दुख होता है जब बरसों बाद हॉकी को ऊपर उठाने की कोशिश करने वालों को मायूस होना पड़ता है।

काश, हमारी टीम ने मलेशिया में 1975 में खेली गई विश्व कप हॉकी चैंपिचैं यनशि प के सेमी फाइनल तथा फाइनल मैचों की टीवी रिकार्डिंग को ही देख लिया होता। दादा ध्यानचंद के सुपुत्र अशोक कुमार ने ही 15 मार्च 1975 को पाकिस्तान के खिलाफ लाजवाब फील्ड गोल दागकर विजय दिलवाई थी। उस गोल को भारत के लाखों हॉकी प्रेमी अब भी याद करते हैं। पहला गोल सुरजीत सिंह ने किया था। अशोक कुमार 1971 और 1973 के विश्व कप में भाग लेने वाली भारतीय टीमों में भी थे। भारत का दोनों दफा बेहतरीन प्रदर्शन रहा था। भारत को 1971 में कांस्य और 1973 में चांदी का पदक जीतने में सफलता मिली थी। पर देश निराश था क्योंकिक्यों सबको स्वर्ण पदक की उम्मीद थी। एक बार अशोक कुमार बता रहे थे कि जब भारतीय टीम 1975 का वर्ल्ड कप खेलने मलेशिया पहुंची तो वहां पर बसे हुए हजारों भारतवंशी हमें अभ्यास करते हुए देखने के लिए आते थे। वे सब हमें चीयर कर रहे थे। तब सारी टीम हर हालत में चैंपिंचैं पियन बनने का संकल्प लेकर ही गई थी। भारत ने वि श्व कप जीतकर सारी दुनिया में तहलका मच दिया था। भारत ने एक तरह से उन ज्ञानियों को गलत साबित करा था जिन्होंनेन्हों भविष्यवाणी कर दी थी कि हम कभी विश्व विजेता बन ही नहीं सकते। क्या हमारी इस टीम में इस बार भी वर्ल्ड कप जीतने का जज्बा था?

भारतीय टीम के वर्ल्ड कप के सभी मैचों के प्रदर्शन को देखकर साफ लग रहा था कि इस टीम ने 1975 की टीम के खिलाड़ियों से कुछ नहीं सीखा। इनमें जीतने के लिए जरूरी दमखम ही नहीं था। 1975 की विश्व विजयी टीम में फुल बैक असलम शेर खान भी थे। विरोधी टीम की आक्रामक पंक्ति के लिए गठीले बदन वाले असलम को छका कर के आगे बढ़ना लगभग असंभव था। उन्होंनेन्हों सेमी फाइनल मैच में मेजबान मलेशिया के खिलाफ मैच के अंतिम पलों में बराबरी का गोल किया था। भारत 1-2 से मैच में पिछड़ रहा था। तब भारत को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। कुआलालंपुर के मडेर्का स्टेडियम में हजारों भारतवंशी ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे कि भा रत मैच में किसी तरह से बराबरी कर ले। उस मैच की आकाशवाणी से कमेंट्री कर रहे थे जसदेव सिंह। वे बताते थे कि जब भारत को पेनल्टी शॉट मिला।

गोविंदा के शॉट को अजीतपाल ने रोका और फिर रहा अयूब शॉट असलम शेर खान का। उनके शॉट को मलेशिया के खिलाड़ी रोकने में असफल रहे। भारत ने बराबरी करने के बाद एक और गोल कर-के मैच जीता और फाइनल में प्रवेश किया। मुझे कभी-कभी लगता है कि खेलों में पैसे की बरसात ने खेलों की पहली वाली पवित्रता को खत्म कर दिया है। पहले खिलाड़ी देश के सम्मान के लिए जीतने के लिए जान लगा दिया करते थे। दादा ध्यानचंद के परिवार वालों के पास उनका अंति म दिनों में श्रेष्ठ इलाज करवाने तक के लिए पैसा नहीं था। तब राजधानी के शिवाजी स्टेडियम में एक बेनिफिट हॉकी मैच हुआ था। पर उसी दौरान उनका एम्स में निधन हो गया था। इस तरह की न जाने कितनी कहानियां यहां-वहां बिखरी पड़ी हुई हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि जीत जज्बे से होती है। उसका हमारे खिलाड़ियों में इसका अभाव था। जज्बे का जुनून फूंकते हैं कोच और पदाधिकारी वे या तो व्यस्त थे या मस्त थे।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

न्यूज स्केल

पारसनाथ सिंह
वरिष्ठ आजसू नेता
जिला चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

न्यूज स्केल

परमानंद मेहरा
थाना प्रभारी
कुंदा, जिला चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

न्यूज स्केल

पिन्टू सिंह
सांसद प्रतिनिधि
प्रखंड मयूरहंड, जिला चतरा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

न्यूज स्केल

बिजूल देवी
मुखिया बेलखोरी पंचायत
जिला चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

न्यूज स्केल

बिनोद दांगी
भाजपा मंडल अध्यक्ष
प्रखंड पत्थलगड़ा, जिला चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

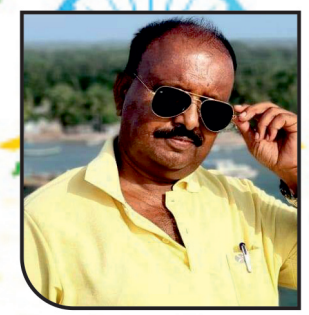

न्यूज स्केल

बिमल सिंह
पैक्स अध्यक्ष बरवाडीह
प्रखंड पत्थलगड़ा, जिला चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

न्यूज स्केल

मोनी कुमारी
प्रखंड विकास पदाधिकारी
पत्थलगडा, जिला चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

न्यूज स्केल

मौलाना महफूज रहमान
भाजपा अल्पसंख्यक जिला महामंत्री
चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

न्यूज स्केल

नीतू कुमारी
मुखिया मेराल पंचायत
प्रखंड पत्थलगड़ा, जिला चतरा

आम जनता से चतरा पुलिस की अपिल

आम जनता से अपिल है कि मुख्यधारा से भटके हुये वैसे व्यक्ति जो उग्रवादी संगठनों में शामिल होकर हिंसक घटनाओं को अंजाम दे रहे है, वो हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में शामिल होकर सरकार के द्वारा चलाये जा रहे आत्मसमर्पण नीति के तहत देय लाभ जैसेः- ईनामी राशि, जमीन, बच्चों के लिए पढ़ाई-लिखाई, बीमा योजना तथा ओपेन जेल की सुविधा का लाभ उठायें।

चतरा जिला के युवाओं से अपिल है कि बढ़ रहे अफीम एवं नशाखोरी की लत जो जिले के विकास में बाधक है, इसको दूर करे, जिससे जिले का सवार्गीण विकास हो आईये आप और हम सभी मिलकर इस गणतंत्र दिवस - 2023 के पावन अवसर पर चतरा जिला को अपराध, नशा एवं नक्सल मुक्त बनाने का दृढ़ संकल्प लें।

न्यूज स्केल

निवेदक
चतरा पुलिस

ज्ञापांक- 128 / र०का०,
पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, चतरा ।
चतरा, दिनांक- 25-01-2023

भारत की बेटियों ने रचा इतिहास, जीता अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप, फाइनल में इंग्लैंड को हराया

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया. साउथ अफ्रीका के पोचेफस्ट्रूम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को सात विकेट से हरा दिया. इससे पहले इंग्लैंड की पूरी टीम 68 रनों पर ही सिमट गई थी. भारतीय गेंदबाजों के सामने इंग्लिश बल्लेबाजों की एक नहीं चली और शुरूआती ओवर से ही उसके विकेट गिरते रहे. इंग्लैंड के केवल चार बल्लेबाज ही दोहरे अंकों तक पहुंच पाए. भारत की ओर से टी. साधू, पार्श्वी चोपड़ा और अर्चना देवी ने दो-दो विकेट चटकाए.

भारतीय महिला टीम ने पहली बार कोई वर्ल्ड कप खिताब जीता है. इससे पहले सीनियर टीम कुछ मौकों पर फाइनल तक तो पहुंचने में सफल रही थी लेकिन खिताब नहीं जीत पाई थी. अब भारत की यंग ब्रिगेड ने ये सपना साकार कर दिखाया है.

जोकोविच ने 10वीं बार जीता ऑस्ट्रेलियाई ओपन, राफेल नडाल की बराबरी की

मेलबर्न। सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच 'जोकर' ने रविवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में यूनान के स्टेफानोस सिटसिपास को हराकर 10वीं बार खिताब अपने नाम किया। रॉड लैवर एरिना पर दो घंटे 56 मिनट चले पुरुष एकल मुकाबले में जोकोविच ने हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरते हुए सिटसिपास को 6-3, 7-6(4), 7-6(5) से मात दी। जोकोविच ने इस विजय के साथ सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में राफेल नडाल (22) की बराबरी कर ली।

विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के लिये खेल रहे सिटसिपास ने पहला सेट गंवाने के बाद बेहतर खेल दिखाया, लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर जोकोविच पॉइंट स्कोर करने में कामयाब रहे। आखिरी सेट के निर्णायक गेम में जोकोविच के 6-3 पर तीन चैंपियनशिप पॉइंट हासिल करने के बाद सिटसिपास ने दो अंक अपने खाते में जोड़े, लेकिन उनका आखिरी शॉट कोर्ट से बाहर गिरने के कारण जोकोविच ने खिताब अपने नाम कर लिया।

पिछले साल कोविड टीका न लगवाने के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा न ले सकने वाले जोकोविच जीत के बाद भावुक हो गये और दर्शक दीर्घा में बैठे अपने परिवार को गले लगा लिया। पूरा परिवार खुशी के आंसुओं में डूब गया। साथ ही मेलबर्न पार्क में मौजूद सर्बियाई प्रशंसकों के बीच भी खुशी की लहर दौड़ उठी। यह मेलबर्न में जोकोविच का 10वां खिताब है। उनके बाद रोजर फेडरर ने यह टूर्नामेंट सिर्फ छह बार ही जीता है। इस ऐतिहासिक जीत की बदौलत जोकोविच विश्व रैंकिंग में जून 2022 के बाद एक बार फिर नंबर एक पर पहुंच जायेंगे। यूनान के सिटसिपास भले ही अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत सके, लेकिन मेलबर्न में इस यादगार अभियान के दम पर वह सोमवार को करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग हासिल कर लेंगे।

नव समृद्धि फाउंडेशन
स्वयं सेवी संस्था
संदीप कुमार सुमन
अध्यक्ष
हिमांशु सिंह
सचिव
प्रदुमन कुमार निराला
कोषाध्यक्ष
आईडी नंबर: 16736, चतरा (झारखंड) संपर्क: 9431309881

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

न्यूज स्केल
राधिका देवी
मुखिया सिंघानी पंचायत
पत्थलगड़ा, जिला चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

न्यूज स्केल
रामकुमार सिंह
प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी
प्रखंड पत्थलगडा (चतरा)

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

न्यूज स्केल
रामसेवक दांगी
उर्फ भगत जी
जिला परिषद सदस्य
प्रखंड पत्थलगड़ा, जिला चतरा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

सत्या सिंह

पंचायत समिति सदस्य मयूरहंड भाग 2
प्रखंड मयूरहंड, जिला चतरा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

जियाउल हक अंसारी

प्रखंड 20 सूत्री सदस्य
प्रखंड टंडवा, जिला चतरा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

निलेश ज्ञासेन (सोनू सिन्हा)

मुखिया कबरा पंचायत
प्रखंड टंडवा, जिला चतरा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

अमानत हुसैन

पूर्व अंजुमन कमेटी सदर व ग्राम प्रधान
ग्राम कामता, प्रखंड टंडवा, जिला चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

सुनील कुमार दांगी

प्रखंड श्रमिक मित्र श्रम विभाग
सह दैनिक पत्रकार
प्रखंड पत्थलगड़ा, जिला चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

उज्ज्वल दास

पूर्व सिमरिया विधानसभा भाजपा प्रत्याशी

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

रणधीर कुमार सिंह

सहायक शिक्षक संघ अध्यक्ष
प्रखंड कुंदा, जिला चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

संगीता कुमारी

उप प्रमुख
प्रखंड पत्थलगड़ा, जिला चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

सुधाकर कुमार

सहायक अभियंता
प्रखंड पत्थलगड़ा, जिला चतरा

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

न्यूज स्केल

ब्रजकिशोर तिवारी उर्फ बिरजू तिवारी

जिला परिषद उपाध्यक्ष चतरा

धनंजय तिवारी — चेयरपर्सन | **स्वेता जायसवाल** — सदस्य | **मुकेश कुमार पांडेय** — सदस्य | **दीपनारायण चौधरी** — सदस्य | **पिंकी कुमारी** — सदस्य

न्यायपीठ बाल कल्याण समिति चतरा (झारखंड)

न्यूज स्केल की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनोज कुमार कपरदार के लिए उत्कर्ष बुक्स इंडिया तिरील रोड, कोकर, रांची-834001 (झारखण्ड) दूरभाष संख्या 09771177585, 09431313765, 8804191841 से प्रकाशित तथा डीबी कार्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, लाल कुटवा, रांची 834001 से मुद्रित। समस्त दीवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाईयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक मनोज कुमार कपरदार *, समाचार संपादक डीएन तिवारी। *** पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। email : newsscalejh@gmail.com